भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1749 का उत्तर

सीएलडब्ल्यू पर निजी लोको निर्माण इकाइयों का प्रभाव

1749. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एल्सटॉम (मधेपुरा) और सीमेंस मोबिलिटी (दाहोद) द्वारा संचालित निजी लोकोमोटिव निर्माण इकाइयों की स्थापना से चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) में उत्पादन प्रभावित हुआ है;

(ख) क्या सीएलडब्ल्यू के लिए उत्पादन के युक्तिकरण या छंटनी/आकार घटाने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सीएलडब्ल्यू और निजी इकाइयों के बीच प्रति लोकोमोटिव उत्पादन लागत का तुलनात्मक ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सीएलडब्ल्यू को प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए निर्यात जनादेश या विविधीकरण के लक्ष्य दिए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विद्युतीकरण तथा बढ़ती हुई लदान के अनुरूप पिछले वर्षों के दौरान रेल इंजनों की बढ़ी हुई आवश्यकता की पूर्ति हेतु, रेल इंजनों का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। भारतीय रेल ने पिछले वर्षों के दौरान निम्नलिखित रेल इंजनों का उत्पादन किया है:

कुल इंजन उत्पादन		
वर्ष	कुल	सीएलडब्ल्यू
2004 से 2014	4695	2019
2014 से 2026	12763	5397

मधेपुरा तथा दाहोद में संयुक्त उद्यम के अंतर्गत नई विद्युत रेल इंजन निर्माण इकाइयां मालगाड़ी रेल इंजनों का उत्पादन कर रही हैं, यथा मधेपुरा कारखाने द्वारा डब्ल्यूएजी-12 तथा दाहोद कारखाने द्वारा डी-9, जबकि सीएलडब्ल्यू तथा अन्य भारतीय रेल उत्पादन इकाइयां सवारी गाड़ी तथा माल गाड़ी इंजनों के अन्य प्रकारों, यथा डब्ल्यूएपी-5, डब्ल्यूएपी-7 तथा डब्ल्यूएजी-9 का उत्पादन कर रही हैं।

प्रौद्योगिकी भागीदारों के साथ रेल विनिर्माण इकाइयों में रेल इंजनों के उत्पादन से सीएलडब्ल्यू से रेल इंजनों के उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सीएलडब्ल्यू द्वारा रेल इंजनों का उत्पादन पिछले वर्षों के दौरान नीचे दर्शाए अनुसार बढ़ा है:

वर्ष	सीएलडब्ल्यू उत्पादन
2013-14	264
2025-26	800

मधेपुरा में मधेपुरा विद्युत रेलइंजन प्राइवेट लिमिटेड (एमईएलपीएल) द्वारा निर्मित 12000 अश्वशक्ति के डब्ल्यूएजी-12 विद्युत इंजनों तथा मैसर्स सीमेंस द्वारा इंजन विनिर्माण शॉप, दाहोद में निर्मित 9000 एचपी के डी9 विद्युत रेल इंजनों की उत्पादन लागत, उनके आपूर्ति क्षेत्र (स्कोप ऑफ सप्लाई), विशिष्ट डिजाइन, आधुनिक प्रौद्योगिकी, उन्नत तकनीकी विशेषताओं तथा संवर्धित निष्पादन विशिष्टियों को दर्शाती है, जो उन्हें चितरंजन रेलइंजन कारखाने में विनिर्मित रेल इंजनों से भिन्न करती है। इन आधुनिक रेल इंजनों की लागत प्रतिस्पर्धी है।

जब भी विद्युत रेल इंजन निर्यात की आवश्यकता उत्पन्न होती है, उस पर विचार किया जा सकता है और चितरंजन रेलइंजन कारखाने के पास इसके लिए क्षमता तथा सामर्थ्य उपलब्ध है।

*****